

46

न्यायालय श्रीमान् राजस्व मण्डल म०प्र०गवालियर

प्रकरण क्रमांक...../निगरानी/०९



निगरानी-१०९५-III/०९

RP-5468  
6.8.09

अमिताष कुमार सिंह तनय श्री यशवंत सिंह निवासी अहरी टोला सतना तह०रघु०नगर जिला सतना म०प्र०-----निगराकार

बनाम

०१-श्रीमती ऊषा किरण सिंह पत्नी स्व०श्री श्रवण कुमार सिंह निवासी ग्राम नकटी तह०रघु०नगर जिला सतना म०प्र०, हाल मुकाम-१९/११५ साउथ टी०टी०नगर भोपाल म०प्र०।

०२-अर्जुन सिंह तनय श्री मुजान सिंह निवासी ग्राम नकटी तह०रघु०नगर जिला सतना म०प्र०(मृतक)-----गैर निगराकारगण

दिनांक ११/५  
रजिस्ट्रार पोस्ट द्वारा  
दिनांक ६.८.०९ को प्रेषित  
क्लर्क ऑफ कोर्ट  
राजस्व मण्डल म.प्र. गवालियर

निगरानी विरुद्ध आदेश न्यायालय श्रीमान् अपर आशुतोष महोदय रीवा संभाग रीवा म०प्र० प्रकरण क्रमांक-९९२/अपील/०५-०६ आदेश दिनांक २२.०७.०९

निगरानी अन्तर्गत धारा ५० मध्याह्न शब्द

मान्यवर,

निगराकार निम्नानुसार निगरानी प्रस्तुत कर विनयी है :-

प्रकरण के संक्षिप्त तथ्य

यह कि आवेदक/निगराकार द्वारा अधीनस्थ न्यायालय नायब तहसीलदार वृत्त कोठी तह०रघु०नगर जिला सतना म०प्र० के समक्ष संहिता की धारा १०९/११० के अन्तर्गत इस आशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया, कि ग्राम गुनुआ तह०रघु०नगर जिला सतना म०प्र० स्थित आ०ख०न०-८१४/१ रकवा ०.१५७हे०, ८१८ रकवा २.०९०हे०, ८१७ रकवा ०.८२२हे०, ८२० रकवा ०.७५२हे०, के भूमिस्वामी निगराकार/आवेदक के दाबा अर्जुन सिंह थे, जिनका स्वर्गवास हो चुका है। अर्जुन सिंह द्वारा अपने जीवनकाल में उक्त वर्णित आराजियात का वसीयतनामा दिनांक ०४.०९.९९ को उपपंजीयक कार्यालय सतना में पंजीबद्ध कराया। वसीयतकर्ता की मृत्यु के पश्चात निगराकार/आवेदक के द्वारा नामान्तरण का आवेदन पत्र नायब तहसीलदार वृत्त कोठी तह०रघु०नगर जिला सतना म०प्र० के राजस्व प्र०क०-२७३६/०२-०३ आदेश दिनांक १४.०२.०६ के द्वारा निगराकार/आवेदक के पक्ष में नामान्तरण किये जाने का आदेश पारित किया गया। Conti.....२

K. R. Soml  
Advocate  
ATNA, Ph. 33982

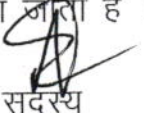
M

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक निगरानी 1094-तीन/09

जिला -सतना

स्थान एवं दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
2 .3.2016	<p>आवेदक के अधिवक्ता कई पेशियों से उपस्थित नहीं हो रहे हैं उनको समय समय पर आवाज लगवाई गई उसके बाद भी कोई उपस्थित नहीं। अतः आवेदक के अनुपस्थित नहीं होने के कारण तथा प्रकरण में रुचि नहीं होने के कारण प्रकरण समाप्त किया जाता है ।</p> <p> सदस्य</p>	